



जन सम्पर्क प्रकोष्ठ

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

Phone: 0151-2543419 (O) 2549348 (Fax) E-mail: prcrajuvas@gmail.com



प्रो. राजेश कुमार धूड़िया

समन्वयक

9079635136

डॉ. देवीसिंह राजपूत

सह-समन्वयक

9461014303

क्रमांक 297

11 अक्टूबर, 2019

प्रेस-विज्ञप्ति

संभाग के गौशाला व्यवस्थापकों का प्रशिक्षण सम्पन्न उन्नत गौशालाओं और स्वावलम्बन के लिए वैज्ञानिक तौर तरीकों को अपनाना जरूरी : कुलपति प्रो. विष्णु शर्मा

बीकानेर, 11 अक्टूबर। राज्य में गौशालाओं को उन्नत और स्वावलम्बी बनाने के लिए वैज्ञानिक तौर-तरीकों को अपनाना जरूरी है। वेटेनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विष्णु शर्मा ने ये उद्गार राज्य के गोपालन निदेशालय और वेटेनरी विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में संभाग के गौशाला व्यवस्थापकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर व्यक्त किए। प्रशिक्षण में श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू और बीकानेर जिलों के 35 गौशाला संचालकों/व्यवस्थापकों ने भाग लिया। कुलपति प्रो. शर्मा ने कहा कि निराश्रित गौवंश सेवा के पावन कार्य के साथ अच्छी नस्ल के समृद्ध गौवंश के वैज्ञानिक विकास के प्रति भी गौसेवकों को सचेष्ट रहना होगा। गौशालाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए पशुधन उत्पादन बढ़ाने के लिए परिसर में पौष्टिक आहार, अजोला, चारा उत्पादन कार्य, वर्मी कंपोस्ट, सौर ऊर्जा और गोबर गैस संयंत्रों की स्थापना कर लेनी चाहिए। गोपालन विभाग के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए वेटेनरी विश्वविद्यालय हर तरह के तकनीकी और विशेषज्ञ सेवाएं सुलभ करवा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्नत गोपालन एवं विकास कार्यों के लिए वेटेनरी विश्वविद्यालय से कभी भी मार्गदर्शन लिया जा सकता है। 14 जिलों में पशुचिकित्सा प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केन्द्रों पर भी सेवाएं उपलब्ध हैं। गोपालन निदेशालय के अतिरिक्त निदेशक डॉ. लाल सिंह ने कहा कि उन्नत तकनीक और गोपालन तौर-तरीकों के लिए यह प्रशिक्षण अत्यंत उपयोगी है। उन्नत नस्ल के पशुओं से दुग्ध उत्पादन बढ़ाने गोबर और गोमूत्र की उपयोगिता के कार्य लागू करके गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। राजुवास के कार्यवाहक प्रसार शिक्षा निदेशक प्रो. आर.के. धूड़िया ने बताया कि 35 गौशालाओं के व्यवस्थापकों को तीन दिन तक गौशालाओं में उन्नत गोपालन और आय बढ़ाने के तौर-तरीकों की वैज्ञानिक जानकारी दी गई। पशुधन अनुसंधान केन्द्र, कोडमदेसर में राज्य के श्रेष्ठ गोवंश विकास कार्यों और भीनासर की आदर्श मुरलीमनोहर गौशाला में पशुधन उत्पादों के मूल्य संवर्द्धन कार्यों का अवलोकन करवाया गया। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. अतुल शंकर अरोड़ा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

वेटेनरी कॉलेज के 64 ग्रेजुएट ने इन्टर्नशिप पूरी की

बीकानेर, 11 अक्टूबर। वेटेनरी कॉलेज के 64 स्नातक छात्र-छात्राएं इन्टर्नशिप अवधि पूरी हो जाने पर शुक्रवार को पशुचिकित्सा सेवाओं के लिए अधिकृत हो गए। इस अवसर पर वेटेनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विष्णु शर्मा ने कहा कि स्नातक उपाधि की योग्यता हासिल करना जीवन का एक अहम



जन सम्पर्क प्रकोष्ठ

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

Phone: 0151-2543419 (O) 2549348 (Fax) E-mail: prcrajuvas@gmail.com



प्रो. राजेश कुमार धूड़िया

समन्वयक

9079635136

डॉ. देवीसिंह राजपूत

सह-समन्वयक

9461014303

पड़ाव है क्योंकि अब पशुओं की उपचार और सेवाओं के लिए अधिकृत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि पशुचिकित्सा एक आदर्श व्यवसाय है जिसमें विविधतापूर्ण कार्य क्षेत्र में जाने के विपुल अवसर उपलब्ध होते हैं। देश-विदेश में पशुचिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के साथ स्वयं का उद्यम स्थापित किया जा सकता है। अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षाओं, सेना और अर्द्ध सैनिक बलों, वन और वन्यजीव सेवाओं में जाने के अवसर उपलब्ध हैं। कुलपति प्रो. शर्मा ने नव दीक्षित स्नातक विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपनी व्यावसायिक योग्यताओं को बढ़ाकर व भाषाई प्रवीणता हासिल कर अपना लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। वेटेरनरी कॉलेज के अधिष्ठाता प्रो. राकेश राव और डॉ. प्रवीन बिश्नोई ने भी विद्यार्थियों को सम्बोधित किया।

सह-समन्वयक
जनसम्पर्क प्रकोष्ठ